

# अतृप्त वासना

(कथा-सङ्ग्रह)

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र  
सङ्कायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस,  
स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको  
दसौँ पत्रको प्रयोजनका  
निम्ति प्रस्तुत

# सृजनापत्र

प्रस्तोता

उत्तम सापकोटा

नेपाली शिक्षण समिति

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस

प्रदर्शनीमार्ग, काठमाडौँ

२०६३

# अतृप्त वासना

(कथा-सङ्ग्रह)

निर्देशक: तुलसीमान श्रेष्ठ

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र  
सङ्कायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस,  
स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको  
दसौं पत्रको प्रयोजनका  
निमित्त प्रस्तुत

## सृजनापत्र

प्रस्तोता

उत्तम सापकोटा

नेपाली शिक्षण समिति

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस

प्रदर्शनीमार्ग, काठमाडौं

२०६३

## सिफारिसपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्घायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस, स्नातकोत्तर तह (नेपाली) दोस्रो वर्षका छात्र श्री उत्तम सापकोटाले सृजनापत्रका रूपमा यो 'अतृप्त वासना' नामक कथासङ्ग्रह मेरो निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । मिहिनेतपूर्वक तयार पारिएको यस सृजनापत्रको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सम्बन्धित निकायसमक्ष सिफारिस गर्दछु ।

मिति: २०६३/०५/०४

---

तुलसीमान श्रेष्ठ  
निर्देशक

## स्वीकृति पत्र

रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पसका स्नातकोत्तर तह (नेपाली) दोस्रो वर्षका विद्यार्थी श्री उत्तम सापकोटाद्वारा नेपाली विषयको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पारिएको 'अतृप्त वासना' (कथासङ्ग्रह) नामक शीर्षकको सृजनापत्र सोही प्रयोजनका निम्ति स्वीकृत गरिएको छ ।

---

तुलसीमान श्रेष्ठ  
(सृजनापत्र निर्देशक)

---

भानु घिमिरे  
(बाह्यनिरीक्षक)

---

हरिप्रसाद पराजुली  
(विभागीय प्रमुख)

मिति:

## कृतज्ञता ज्ञापन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्रसङ्घायअन्तर्गत रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पसको स्नातकोत्तर तह (नेपाली) दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि यो सृजनापत्र कथासङ्ग्रहका रूपमा प्रस्तुत पारिएको हो । नेपाली शिक्षण विभागले ऐच्छिक रूपमा सृजनापत्रलाई पनि दसौँ पत्रमा स्थान दिएकाले नेपाली साहित्यको एउटा विधामा आफ्ना सृजना थप्ने अवसर प्राप्त गरिएको हो । यसका लागि रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस नेपाली शिक्षण विभाग आभारयोग्य छ ।

प्रस्तुत सृजनापत्र आदरणीय गुरु तुलसीमान श्रेष्ठको निर्देशनमा तयार पारिएको हो । यथासमय उपयुक्त सुझाव र मार्गनिर्देशन प्रदान गर्दै यसै क्षेत्रमा लाग्न उचित प्रेरणा प्रदान गर्नुहुने आदरणीय गुरु तथा सृजनानिर्देशक श्री तुलसीमान श्रेष्ठप्रति विशेष आभार प्रकट गर्दछु ।

यस सृजनापत्रको तयारीका क्रममा आवश्यक सल्लाह र सुझाव दिनुहुने नेपाली शिक्षण विभागका प्रमुख आदरणीय गुरु हरिप्रसाद पराजुलीप्रति अनुगृहीत छु ।

प्रस्तुत सृजनापत्रको प्राविधिक तयारीका क्रममा सहयोग गर्ने मित्र हरिप्रसाद रेग्मी, थिरप्रसाद घिमिरे, चिन्तामणि भट्टराई तथा कल्पना पौडेललाई धन्यवाद दिन चाहन्छु भने कम्प्युटर टङ्गणमा सहयोग गर्ने भाइ जयदेव कोइरालालाई पनि धन्यवाद छ । यसका साथै उपयुक्त घरायसी वातावरण मिलाइदिने जीवनसाथी लक्ष्मी तथा पुत्रीहरू प्रज्ञा र प्रविज्ञालाई सप्रेम धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

यस सृजनापत्रको तयारीका लागि सन्दर्भका रूपमा विभिन्न विद्वान्हरूका प्रकाशित कृति, रचना तथा शोधग्रन्थहरूको प्रयोग गरिएको छ । यसका लागि उहाँहरूप्रति पनि आभारी छु ।

अन्त्यमा स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि तयार गरिएको यो सृजना पत्र आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि रत्नराज्यलक्ष्मी क्याम्पस, प्रदर्शनीमार्ग नेपाली शिक्षण विभागसमक्ष प्रस्तुत गर्दछु ।

मिति: २०६३/०५/०५

---

उत्तम सापकोटा  
परीक्षाक्रमाङ्क: १७१४  
त्रि.वि.दर्ता नं. ६०६६७-९२  
भर्नासमूह: २०५९/०६१

## विषय-सूची

| क्र.सं. |   | पृष्ठसङ्ख्या |
|---------|---|--------------|
| १.      | एकाइ एक   | १-६          |
|         | १. सृजनात्मक लेखनको सैद्धान्तिक अध्ययन          | २            |
|         | १.१ सृजनात्मक लेखनको परिचय                      | २            |
|         | १.२ सृजनात्मक लेखनको शीर्षक                     | २            |
|         | १.३ सृजनात्मक लेखनको औचित्य, महत्त्व र उपयोगिता | ३            |
|         | १.४ सृजनात्मक लेखनको प्रयोजन                    | ३            |
|         | १.५ सृजनात्मक लेखनमा कथाविधाको छनोट र पृष्ठभूमि | ४            |
|         | १.६ सृजनात्मक लेखनविधामा नाम दर्ता              | ६            |
| २.      | एकाइ दुई  | ७-५६         |
|         | २. कथाको सैद्धान्तिक अध्ययन                     | ८            |
|         | २.१ कथाको सैद्धान्तिक परिचय                     | ८            |
|         | २.२ कथाको परिभाषा                               | ८            |
|         | २.२.१ पूर्वीय साहित्यमा कथा                     | ९            |
|         | २.२.२ पाश्चात्य साहित्यमा कथा                   | १३           |
|         | २.२.३ नेपाली साहित्यमा कथा                      | १५           |
|         | २.३ कथाको वर्गीकरण                              | १८           |
|         | २.३.१ रुचिक्षेत्रका आधारमा कथाको वर्गीकरण       | २०           |
|         | २.३.१.१ सामाजिक कथा                             | २०           |
|         | २.३.१.२ मनोवैज्ञानिक कथा                        | २१           |
|         | २.३.१.३ प्रगतिवादी कथा                          | २१           |
|         | २.३.१.४ अस्तित्ववादी कथा                        | २२           |
|         | २.३.२ रीतिक्षेत्रका आधारमा कथाको वर्गीकरण       | २२           |
|         | २.३.२.१ यथार्थवादी कथा                          | २२           |
|         | २.३.२.२ स्वच्छन्दतावादी कथा                     | २२           |
|         | २.४ कथाका तत्त्वहरू                             | २३           |
|         | २.४.१ कथानक                                     | २४           |
|         | २.४.२ पात्र वा चरित्र                           | २५           |
|         | २.४.३ परिवेश वा वातावरण                         | २६           |
|         | २.४.४ उद्देश्य                                  | २७           |
|         | २.४.५ भाषाशैली                                  | २७           |
|         | २.४.६ दृष्टिविन्दु                              | २८           |
|         | २.४.७ शीर्षक                                    | २९           |

|         |  |         |
|---------|--|---------|
| २.५     | नेपाली कथाको विकासक्रम र प्रमुख मोड तथा प्रवृत्तिहरू         | २९      |
| २.५.१   | आरम्भिक काल र यसका मूलभूत प्रवृत्ति                          | ३०      |
| २.५.२   | माध्यमिक काल र यसका मूलभूत प्रवृत्ति                         | ३१      |
| २.५.३   | नवीन काल वा आधुनिक काल                                       | ३३      |
| २.५.३.१ | प्रथम चरण  | ३५      |
| २.५.३.२ | द्वितीय चरण  | ३७      |
| २.५.३.३ | तृतीय चरण  | ४०      |
| २.६     | आधुनिक नेपाली कथाका प्रमुख धारा वा प्रवृत्ति                 | ४३      |
| २.६.१   | यथार्थवादी प्रवृत्ति वा धारा                                 | ४३      |
| २.६.२   | मनोविज्ञानवादी धारा वा प्रवृत्ति                             | ४४      |
| २.६.३   | प्रगतिवादी धारा वा प्रवृत्ति                                 | ४५      |
| २.६.४   | प्रयोगवादी धारा वा प्रवृत्ति                                 | ४६      |
| २.६.५   | समसामयिक धारा वा प्रवृत्ति                                   | ४८      |
| २.७     | आधुनिक नेपाली कथाको अध्ययनका क्रममा केही आधुनिक कथाको अध्ययन | ५०      |
| २.८     | ‘अतृप्त वासना’ कथासङ्ग्रहमा सङ्कलित कथाहरूमा आत्मदृष्टि      | ५१      |
| २.८.१   | सामाजिक कथा  | ५२      |
| २.८.२   | मनोवैज्ञानिक कथा   | ५४      |
| २.८.३   | समसामयिक कथा   | ५५      |
| ३.      | एकाइ तीन   | ५७-१०१  |
|         | ३. कथासङ्ग्रह  | ५७      |
|         | अवसान  | ५८      |
|         | नियति  | ६५      |
|         | खसीको मासु   | ६९      |
|         | छोरीको बिहे  | ७३      |
|         | सावित्री   | ७८      |
|         | बकाइनाको रूख   | ८१      |
|         | मोह  | ८४      |
|         | बलराम मास्टर   | ८९      |
|         | अतृप्त वासना   | ९४      |
|         | संस्मृत विगत र सम्भावित आगत                                  | ९८      |
| ४.      | एकाइ चार   | १०२-१०३ |
|         | ४. सन्दर्भग्रन्थ सूची  | १०२     |
|         | ४.१ सन्दर्भग्रन्थ-सूची                                       | १०३     |